

DPN 6458

Title : जीत गोविन्द / GĪTAGOVINDA

Run. No. 7183

Cat. No. 171

Micro. No.

Subject *Bhakti kāvya*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 17.5 X 8

Folios 35

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

missing 16-19
Chapt. / act /

Author / translator *Jayadeva*

Scribe / donor धिर्जविर

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : on the margin : *Gita-
govinda*
(Fol. 34 b)
in other folios: *Gita.*

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / on side : *yellow*

Beginning, colophon, post-colophon :

श्रीजयदेव वचसे जयदेव सद्यं हृदयं कुरु मण्डले ॥ हरिचरण
स्मरणमृतपूत कलुष ज्वल संज्वल खण्डरे ॥ शुभ ॥ मनयाग फजुल
शुभ ॥

१६९ गीत गोविन्द

ॐ नमो रुगवतं वाग्मुदयाय नमः ॥

॥ जयदेव कवि गायनमः

॥ ॥ गमजामालवनाम् ॥

॥ पत्रयपयाश्चिज्जलधि

वानसिचदः विदि नवदि नचलिगमधदं ॥ केसवंधि नमिदिः

नसलिलः जयजगदि सदने ॥ १ ॥ ॥ द्वागिजगियिपूत्रग

लेनवगिः वृगिपिष्वधननिधननकिमचक्रगुनिष्व ॥ केसवं

धितककुं यनूपंः ऊयऊगदिसहने ॥ २ ॥ वसतिदसनंसिधन
 धननिगवमंग्नाः गगिनिकलंककलवलिमंग्ना ॥ कभावं
 जीत धितमुषननूपऊयऊगदिसहने ॥ ३ ॥ गवकलकमलव ९
 प्र१ लनषमं हनगंगः दहिनहिमं नकथिप ननतिंग ॥ कभा
 वंधितककुं यनूपंः ऊयऊगदिसहने ॥ ४ ॥ कलयसिधि

कसनवलिमं हनवीमनः यदनषनिगऊनिगऊनयायं ॥ क
 भावं धितकामननूपऊयऊगदिसहने ॥ ५ ॥ कृणियन
 धितमहऊगदयगतयायंः अपयसिधयसिधमनरुव
 नायं ॥ कभावं धितहिद्यननूपः ऊयऊगदिसहने ॥ ६ ॥
 धितनसिधिकुननदिगयनिकमनियं ॥ दसमषमेनियलिग

गीत
श्री २

लिंगललिंगवनमात्रा ॥ जयजयदवहस ॥ दिनतनिमंदलमद्वः
वयंदनहः मूनिजनमानसहसंः जय ॥ १ ॥ अलियविक्रम
मगंजनजननंजनः मूनिंजनंमानंसेहंसेः ऊइकुलनतिवदिनसंः जय ॥ २ ॥
॥ ३ ॥ मयमनननकविनासनः गनदसनः गनकुलकलिनिदानं
॥ ४ ॥ अमलकमलादनलावनूरुवमावनः शिववनहवा नवि

धनं जय ॥ ५ ॥ जनकगुणाद्वनरुवनः जिगद्वनः ममनस
मगादभवंसुः जय ॥ ६ ॥ अरुनरुजलदनमुन्दनः धिगः
मंदनः श्रीमयचंदवकालः जय ॥ ७ ॥ गवचनं यननावयः मी
लावनयः कनकसलयननं यः जय ॥ ८ ॥ श्रीजयदवकवतिदः
नरं मूदः मंगलमजलयोगः जय ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥

३३

गान
न ३

१ नागवस्त्रं ॥ ॥ ललितलवंगलनायनिशानन भगवतः मलम
ममिलः मधुकननिकनकनेविनकाकिलः कंठिकनेजकनिकनेः
॥ १ ॥ विरुनगिरुनिनिरुसनसवभक्षः नृपतिरुयगिज
ननसमंसयिविनहिजनस्यदगंश ॥ ॥ उमदमदनमनागथयमि
कवदूर्जनकनिकविलापः अलिकलसंकलकसमसमाहनला

कलवकलकलापः ॥ २ ॥ मगमदसोनहनरुसहसंयदनज
दलमालिनमालः शकजनहृदयविदागूनमनसिजनवविकिस
कजाल ॥ ३ ॥ मेधसंननेकविनाभनेगेवदेजने ॥ ० ॥ म
दनमदिपनिकनकदंकविविः केअनकसमविकास्यः मिलिनसि
लिमषयातलिपतललिनसमवहनविकास्य ॥ ४ ॥ विग

गीत
चरु

॥ १ ॥ इति निरुसग्यमधुनिकलविलासिनिविलसति कलियन

॥ २ ॥ यिनपयाधनरातननेनरुतिपतिनेत्यमनागंः समववध

ननगायनिकाविददंतिनपंचमनागं ॥ ३ ॥ कायिविलासवि

लालविलासनधननऊनिकमनागंः ध्यायतिमग्यवधनधिकंम

धसदनवनसनागं ॥ ४ ॥ कायिकपालनलमिलिगालयि

किंमपिष्टुगिमूल॥ वागवृवंतिनम्यवगिदयिगंपूलकंननक

ले ॥ ५ ॥ कलिकलाकृतुकेनचकाशिदः मंयमनाजलकूल ॥

मंशलवंशलकृजगनंविचकर्षकलनदकूलं ॥ ६ ॥ कतगल

गालनगलवलयावलिकलिककलसनवंशः नासनससहन

म्यपनाहनिनाशवतिः यतसंस ॥ ७ ॥ श्रीप्यतिकामपि

गीत
क-३४

अनिकामपि कामपि न मयि नित्यमांः पश्यति सस्मितवान् न नाः
 यतामनगच्छति वामां ॥ ७ ॥ श्रीरुचयदवक कं निदमदुत कलि
 गरुह्यः विन्दावनविपिनललितं विननात्सुखानि यस्य ॥ ७
 ८ ॥ गुरुं ॥ ५ ॥ नागगंजलिनाग ॥ ० ॥ संवलदधृ
 नसूक्ष्ममधुनेयनिमेषलितमाह नवंभंः वलितदृगंचलचंचलमो

लिकपालविलासवर्तुंभं ॥ १ ॥ तीस्रसद्विहिविहिविना
 सः पद्मनक्षत्रधनननननंजितमदितमदितसर्वंभं ॥ २ ॥ ग
 पकदं वनिगंवदतिमेषः स्वनलं विनलीतं ॥ वंदजिवंमधुनाधन
 पल्लवमल्लसिक्तस्मितशारं ॥ ३ ॥ विपलपलकतजमनुल
 वलयितवल्लवद्ववतिसहस्र ॥ कतचननासिमनिगनरुषनकि

मनविहितसिंहं ॥ ६ ॥ जलदपठत्वलदिद्विनिर्गमन
गिलकल्लानं ॥ यिनपआधतपनिमनमईननिईयहिदय
कपानं ॥ ७ ॥ मनिमयमकनमनारुतकधुलमधुगगधु
मदानं ॥ यिगवसनमनुगतमनिमनुजसूनासूनवनयनिवा
न ॥ ८ ॥ विसदकदंवनलमिलिनं कलिकल्लपहयंसमयंतं

॥ मा मयि किमपि न नंगद नंगद मम न सा म न यं क ॥ ७ ॥ श्री
 जयद वरुनि न म गि सुन्द न मा रु नु म धू लिय नू यं ॥ रु गि व न न
 स्म न र्ध प गि सं प्र ति प न्य व ता म नू यं ॥ ८ ॥ ॐ ॥ गुरुं ॥ ९
 र ना ग मा ल व ना ग्य ॥ ॥ नृ ति न नि कू ज ग्रा हं ग ग या नि सि न रु
 स नि ति य व स न ॥ र दू न वि ला द न स क ल वि सा न गि न रु म न

स्य न ह संकं ॥ १ ॥ मधिरु कसि मधन मदातः न विमया सरुग
 दन मना न थला विरुया सवी कालं ॥ ६ ॥ प्रथम समागम त्वं
 गान विरुया यद दसा दस न न कलं ॥ मधु मधु न स्मि कलाः विरुया
 मधिरु लि दूत उधन दकलं ॥ २ ॥ किल यम यन निव मि
 रुया विन म न सिम मे व म यान दूत यति न म न रुं व न या यति

जल दूता धन पायं ॥ ३ ॥ जल सनि मिलि कला न या वल
 वलि ललि क कालं ॥ ४ ॥ मजल म कल कल वल या वल
 मदा दति लै ली ॥ ५ ॥ का किल कल न व कं डि रुया विरु मन
 सिज नं रु विरा नं ॥ ६ ॥ प्रथम समाकल कं रुल यान वलि विरु ज
 धन दू कलं ॥ ७ ॥ चतुर्न निरु मनि न प न या यति यति न सु न

गीत
नृ

विकानं ॥ मूषतविश्वं वलमेषलयासकचक्ररुचवनदानं ॥ ५ ॥
 नतिसूषससयलसानसयादगमूकलिननयनसनाजं ॥
 निसदनपनितननननयामधसदनसूदितमनाजं ॥ ७ ॥ १०
 जयदवतनितमिदमधतयमधनिषनिधवनसिलं ॥ सूषसूक
 धितरुमययधकधितं विगनातसलिलं ॥ ८ ॥ गुरुं ॥ ५ ॥

मापित १ नागगजानीनाम्य ॥ ॥ मामियंवल्लिगविलाखवनं वधनिय
 यन ॥ सायनाधकयामयापिवालिकारिगुतयन ॥ १ ॥ रुनिदनि
 गतादनगयागमासाकुविन ॥ ५ ॥ किंकनिष्यगि किं वदियति
 साधितं विगदन ॥ किंजननधनन किंसमजिविननसूषन ॥ २ ॥
 विंगयामिगदाननंकुगिनंरुकायतलन ॥ ॥ नययमविवायति

प्रमत्ताकृतं प्रमत्तन ॥ ३ ॥ कामरुहं हि सगतामनि गंरु गंरु मयाः
 मि ॥ किं वननसनामि कामी किं विधा विनयामि ॥ ४ ॥ गं विधि
 गगन ॥ त्रमस्यया हृदयकवाकल्यामि ॥ गत्रयं हि कृतागतासिनं न न ११
 नूनयामि ॥ ५ ॥ इत्यथ न यनना गतागतासि वम विदधामि ॥ किं प
 लवसं संयुगं यति न न न ददामि ॥ ६ ॥ इत्यथ कामय नार्थं कदापि

तय दसं न कतामि ॥ दहि संद निद स न ममः मम न न दनामि ॥ ७ ॥
 वं दि गं जय द व कि न रु न नि दं पु न न ॥ किं इ विं ल स म द सं रु व ना
 निन्द ॥ हि नि ग म न न ॥ ८ ॥ ५१ ॥ गुरु ॥ नागका म्नी ठ नाग्य ॥
 निंदति वं न मि द्कि न न म नं विं द ति ध दं म धि तं ॥ बाल नि ल य
 मि ल न ग ल ल मि व क ल य मि म ल य स मि लं ॥ ९ ॥ सा वि न रु

कठिनाः माधवमनीसुजयिष्यरुयादिवरावनयात्विजिलिना ॥ ७ ॥
 जलिनलनयगिरुमदनसनादिवरुवदवनायविमाल ॥ ८ ॥
 गीत मसिदमक गागिसुजलनलिनिदलजालं ॥ ९ ॥ कसमविः १२
 मिथगनगलमनलविलामकलाकमनीयं ॥ वरुमिवतवययितन
 रसषायकलीतिकसमसुयनियं ॥ १० ॥ वरुगिलालवितावन

जलधनमाननकमलमदागं ॥ विधूमिवयिकरुविर्धुदनेदलनगलि
 नमरुधनं ॥ ११ ॥ विलिषगिनरुसिकलंगमदनरुवंतमसमभ
 नरुगं ॥ धनमतिमकनमरुधाविनिधायकननसगनंनंरुगं ॥ १२ ॥
 प्रतियदमिदमपिनिगततिः माधवकवयननयुगिताहं ॥ त्वयिवि
 मयमयिसयगिसुधानिधिनपिरुनरुगनरुदाहं ॥ १३ ॥ ध्यानलय

गीत
निन्द

^{वि३}नयनः पत्रिकल्लारवंगमनिवदनाय ॥ ^{न३}विलयमिदस्तानि विविमदना
 मोदगिमंसनिसंसनिकायं ॥ ७ ॥ ^{न३}आजयदवरुनिकमिदमतिकंय
 तिमनसानठनियं ॥ हनिल्लहाहाकलवल्लवयवति सविववनंय १३
 ०नियं ॥ ८ ॥ छुः ॥ गुरुं ॥ नागकाळुठनाय ॥ निंदगितं
 नमिंद्रिकितनमनविंदगिधदमधितं ॥ व्यालनिलयमितनंगललमिवक

^वलयमिलयममिलं ॥ ९ ॥ साविनदुर्दिनाः साधवमनसिजविमि
 षरुयादिरुतावनयाखियिलिना ॥ १० ॥ जवितलनियमिकमदनस
 नादिवरुवदवनायविभालं ॥ सहृदयममकमागिसऊलनलिनिदल
 जालं ॥ ११ ॥ कसमविः भिषगमगल्यमनलविलासकलाकमनि
 यं ॥ वरुमिवतवयनिर्गुरुषायकमागिकसमभयनियं ॥ ३ ॥

गीत
निन्द

वरुणविलासविलासवनजलधनमाननकमलमदानं ॥ विधुमिववि
 कट विधुगुदकदलनगलिनमनधनं ॥ ४ ॥ विलिखतिन
 हसिकुत्रंगमदनरुवंनमसमगनरुं ॥ धनमगिमकनमधवि १४
 निधायकननसत्रंनअयनं ॥ ५ ॥ धनियदमिदमयिनिगद
 निमाधअनवचनमयगिगाहं ॥ त्वयिदिसूधमयिसपनिंस्थ

निधिययितननननदाहं ॥ ६ ॥ ध्यानलयनयनःपत्रिकला
 रुवंनमगिअदमायं ॥ विलयतिहसमिविधिदगीनादमिमं
 धनियंयगिगाहं ॥ ७ ॥ अजयदवरुनिनमिदमधिकंय
 दिसनसानठनियं ॥ दनिविलदाकलवल्लवयवमिसविय
 नंयनियं ॥ ८ ॥ ॐ ॥ गुरुं ॥ ६ नागदसाय ॥ ८

गीत
रुन२

रुनविनूदिगमपिहानमदानं ॥ सामनूगदसननूगितानं ॥ १ ॥ नाधि
 काविलहंनवकं ॥ २ ॥ सगसमसनमपिमलयजपंकं ॥ यस्थति
 विषमिववययिसगंकं ॥ ३ ॥ श्वसिरुयवनमनयमयनिनाहं ॥ ४ ॥
 मदनदहनमिववदमिसदाहं ॥ ५ ॥ दिमिदिमिकिलमिसजलक
 नजालं ॥ नयननलिनमिवयिगलिरनालं ॥ ६ ॥ अजमिनयानिम

१७

कथि१३

१ नागमालव ॥ ॥ कथिगससयंयिहनिनरुहनाययीवनं
 ॥ ममविरुलमिदमननूपमयिर्यीवनं ॥ १ ॥ यामिहकमि
 हसत्रनंः सयिजनयवनवंकिगा ॥ २ ॥ यदनूगमनायनिजि
 गहनमपिसिलिगं ॥ गेनममहृदयमिदमसमसनकिलिगं ॥ ३ ॥
 मममनममववलमकिविगथककना ॥ किमिहविषहामियिन

हननमवतना ॥ ४ ॥ मामिहविषुतयमिमधूनमध्यामिनि
 ॥ कापिहविमनरुवमिदुगसदुगकामिनि ॥ ५ ॥ अहहक
 स्यामिवलयादिमनिहवनं ॥ हतिविनरुदहनवहननवहद
 वनं ॥ ६ ॥ कसमसकमालननमनमललिलया ॥ स
 गयिहदिहंमिमासगिविषमभिलया ॥ ७ ॥ अहमिह

۲۲۰

20

निवसामिनमनिनवनवैकसा ॥ स्मनमधःसुदनामामयिनचुन
सा ॥ ७ ॥ हनिचननगननऊयदवकयिला ननि ॥ वस्फ
दियवनिनिवकासलकलावनि ॥ ८ ॥ ॥ शुनं ॥ न
नागवसंन ॥ ॥ स्मनसमलचिनविलचिनवसा ॥ गलि
नकुसुमदलविललिनकभा ॥ ९ ॥ कायिमधूनिपू

95

समस्त १४

गीत

लाविलसनिचयविनाधिकाग्रन ॥ १ ॥ हनिपतिनंतरनव

लिगविकामा ॥ कवकलक्षयनिगललिगदागा ॥ २ ॥

वंचलकंदलललिगकवाला ॥ मूषलिगनसनजघनगमिला २९

ला ॥ ३ ॥ विलंदलकललिगानमचंडा ॥ गदघनपान

लहसदगगंडा ॥ ४ ॥ दयिगविलादुगलंकिगहसिगा ॥

वहविषकंकिगनगिनसगसिगा ॥ ५ ॥ वियूलयूलकषि

थर्वयथरंग ॥ स्वसिगनिमिलिगविकसगनग ॥ ६ ॥

समजलसकहनसरुगसलिला ॥ पनियगिगातसिगनगिनन

धिगा ॥ ७ ॥ आजयदवरुनिगहनिगसिगं ॥ कलिकलखंज

नयगयनिगसिगं ॥ ८ ॥ ॐ ॥ मुरुं ॥ ॐ ॥

१ गगनजि ॥

नयनि

॥ समृद्धि नमो नमो निवदनः स्वयं कलि कायने

विलिखणिमिलकं प्रवितसदलं कं मगमिद न अनिकले ॥ १ ॥

जीम

नमः कयमनापलिनयनः विजयमनानितधूना ॥ ॐ ॥ घनव २१

यन्निननवयमिहिकल्पेनगननानन ॥ कृत्वककसमंयप
लाससमंनगियमिहिकल्पेनगनन ॥ २ ॥ यन्निननवयमिहिकल्पेनगनन

चङ्गगगगनः सुन्दरः मृगमदनचित्रविभक्त ॥ मनिनसमसलेः कालक
 यमनननषयदससिरुषिभक्त ॥ ३ ॥ जिगविसमकलः मृदरा
 ऊङ्गलकनकलनलिनिदन ॥ मलककवलरामधूकननिय
 यः विगनकिदिमसिनस ॥ ४ ॥ नकिगृहजघनविपला
 पघनः सनसिजकनकासन ॥ मनिनसनसननाननहसनः

गीत
समर्पि

विकीर्णमिदं वासन ॥ ७ ॥ वननकिशतयकमलानिलयः नयमनि
गनयुक्ति ॥ वहिनेयवतनः यावकरुननः जनयमिदुदियाडिग
॥ ८ ॥ नमयमिसूदसं कामपिसूदसं वल्लुलदलसादल ॥ २३
किमरुलमययं विनमिदुविरसंवदसविधितथादने ॥ ७ ॥
रुनसरुननः रुनगिरुननमधनियपदस्यवक ॥ कलि

निस १६

गतलिगंनअसूदनिगं कविनयथाजयदवक ॥ ८ ॥ ॥ ॥ गुरुं ॥
१ नागदेसायनाय ॥ ॥ अनिलगललकवातयसयनेन ॥ १६
यकनिनसाकिसेलयसयने ॥ १ ॥ सविजालमगावनमा
लिनि ॥ ७ ॥ विकसिगसनसिजललिगमधने ॥ सूठतिन
सामनसिजयिसिधने ॥ २ ॥ अमगमधनगनमदवतनेन

किलर

गीत

॥ जालनिनसामलयजयवन ॥ १ ॥ सुलजलनूहानूचिक
नवननन ॥ लथनिनसाहिमकलनन ॥ २ ॥ सजलदलद
गमदयनूचिलन ॥ दलनिनसाहृदिसिलविलहन ॥ ३ ॥ २४
नकनिवयनूचिगुचिवसनन ॥ ग्वसिनिनसायनिऊनदसनन
॥ ४ ॥ सकलरूवनऊनवननूचनन ॥ वरुनिनसानूजमकि

कननन ॥ ५ ॥ अजयदवरुनिनमननन ॥ यविगएहनिनपि
हृदयमनन ॥ ६ ॥ ॐ ॥ गुरु ॥ ७ ॥ नागहेनविताग
॥ नऊनिऊनिगगुनूजागननाग ॥ कषायिनमलसनिमेष ॥ वरुनि
नयनमननागमिवरुनमृदिगनसाविनिरुसे ॥ ८ ॥ हनि
हनिजायिसाधवऊयिकसयसावदकेननूवानेकववादे ॥ नाम

ਸਮੇਤ

नमनसगसनसीतदुगोचनयागवदुतकिविषाद॥ ५॥
 कज्जलमलिनभिःसावनचवनविनचिगनीलिमनूयं॥
 दसनवसनमनुनंगवदुषुगनीकिगनीतननूयं॥ २॥
 वयननवदुगिगवसनसंगनखननखनकुलेयं॥ ३॥
 लकडगकलकलिनकलरधमलिधमिवनगिज

यल्लयं ॥ ३ ॥ चतनकमलगलदनककसिकमि
दं गोवहृदयमदातं ॥ दर्भयनिबवस्त्रिदिर्मदन
क्रमनवकिगलययनिवातं ॥ ४ ॥ दगनयदं
हवदधतगर्भममजनयनिचं कसिखंदं ॥ कथ
यनिकथमधूनापिमयासुहृदववपूतं नदह

गीत

ॐ ॥ ७ ॥ वह्निर्दिवसस्मिन्मनसोवद्वेषमनापि
रुदिव्यमिन्नने ॥ कथमथवंचयसज्जनमनगम
समग्ननदने ॥ ८ ॥ अमरितवानवलोक २८
वलायवनवृक्षिमगुविचिह्नं ॥ पथयगियगुनि
कवेवधवधनिर्दयवाल्वनिह्नं ॥ ९ ॥ अथ

दवरुनिमनसिर्वचिह्नः स्वर्णिमवमिविलायं ॥ गहन
सधामधुतं विवधालयनायिदनायं ॥ १० ॥ ११ ॥
तागगङ्गा ॥ ॥ हनिनविमनसिर्वह्निमदयवनं ॥
किमपनिमधिकसस्वसखिरुवनं ॥ १ ॥ माधव
माकनमानिनिमानमय ॥ ४ ॥ गालरुत्तादयिगन

गीत

मगिसनसं॥ किंतिरुलीकनधकचकलसं॥ १ ॥ क
थिनकथिगमिदमनपदमचिनं॥ मायनिदुनदुति
मगिमयनचिनं॥ ३ ॥ किमिगिविषिदसिनादिषिवि १७
कला॥ विरुसगियवगिसरायवसकलं॥ ४ ॥ सज
लनलिनीदलगीलिनलमयनं॥ इतिमवलाकयसरुल

यनयन॥ ५ ॥ अनयसिमनसिकिमिगिनरुवदं॥ गन
ममवचनमनिरुगसदं॥ ६ ॥ इतिनययागुवदगुव
रुमधनं॥ किमिगिकनाषिरुदयमगिविधनं॥ ७ ॥ गी
ऊयदवरुमिगमगिललिनं॥ सखयगुनसिकंजनंरुनि
रुनिनं॥ ८ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

गी.क.

१६ वावनाडी गारा ॥ ॥ वदसियगिकिं च दपि दंग नूचिको
मोदिरुत गदत गिमित मगिधानं ॥ स्तुत दधन सीध वः तव
वद चन्द्र मा गोचय गूला च नचकांगं ॥ १ ॥ प्रिय वावगा २ ६
लर्म रमयिमान मनिदानं ॥ सपकि मदनान लाद रुमिमम
मान संद हि मखक मल मधुपानं ॥ ५ ॥ सख मवा सिय

दि सुद मिमयि कापि निद हि खन नखन सगद्यानं ॥ घटय
युज वंधनं ज नयन यख नु नं धन वात वगि मखकांगं
॥ २ ॥ यम मिमस जीवनं यम मिमस रखनं लम मिमस
वज्र लधि नत्त ॥ तव त तव गी रुमयि सकन मन गोधीनी
कयु मस रुद यम गियत्त ॥ ३ ॥ नील नलि नारु मयि न

15

10

गीत

नितवलासनं ध्यानयमिकाकनदतयं ॥ कृतममगतान
 लावनयदिने जयसिद्धिदमिदमगतदनेनयं ॥ ४ ॥

रुनगकृत्तकं रुआनयतिमनिमंजंती तेजयगतवहद
 यदगं ॥ नमगतनसनायितवद्यजघनमं उल्लोचय
 तमसथानि ॥ ५ ॥ ॥ छलकमलगं जनममहद

२ त

५

यगं जनं जनिनगमितं गयतरुगं ॥ घनमस नवाधिक
 नवानियदयंकं सनसगलककनागं ॥ ६ ॥ समनगतन
 खलुनं सममिगसिमनुनददियदयलवमदातं ॥ कुलगिम
 यिदात ॥ ममदनकदनानलाहनेनदयादिकविकारं ॥ ७ ॥
 ॐ नितवलासनं ध्यानयमिकाकनदतयं ॥ कृतममगतान

c.mts

5

10

15

गीत

चनजागं ॥ अयगियप्रावगीनमनजयदवकविरागि
 तमिहमगिगागं ॥ ८ ॥ २० ॥ वसेताग्ध ॥
 विलचिगचादवचनत्रचनंचतखनरिगपुनियानं ३०
 ॥ संप्रतिमंजलवंदलसीमनिकैलिगयनमनजागं ॥ १ ॥
 मग्धमधमथनमनगनमसगताधिक ॥ ५२ ॥ घनजघ

नरुनरातरुतदतमंथतचननविहातं ॥ मखतिगम
 लिमंजितमूपेदिक्थिदिमतालकातं ॥ १ ॥ म्बु
 तमभीयनतनमभीजनमाहनमधूपवित्रापं ॥ कुमुम
 अतासहमसनवंदिनियिकनिकगंरुजरावं ॥ ३ ॥
 जनिलगतलकिगलयनितंमकगंमलगानिकनवं ॥

गीत

यतनमिव कतरानकनामिगमिं पतिमं च विलंबं ॥
४ ॥ स्तुतिरुमनेमनतंगवभादिवसचिनेरुतिपति
तंरुं ॥ पृष्ठमनारुतदातविमलजलधातममकचकंरुं
॥ ५ ॥ अधिगनमखिलमखीतिनिदं नववपगयित
गितनसज्जं ॥ चंभुलसितनसनातवधि निममतिसन

३९

सतसमलज्जं ॥ ७ ॥ स्मत्तगतमृत्तगनखनसखीमवलं
वकतं सगलीलं ॥ चलवललयकमिगैतववाधयदतिम
पिनिजगमिगालं ॥ ८ ॥ अजयदवकमिरुनितमथ
त्रीकृत्तदातमृदासितुताम ॥ रुतिविनिदिनसनसास
धिमिष्टुगुकम्भुनमिं सविनीम ॥ ९ ॥ २१ ॥ ॥ ॥ ॥

गीत

॥ ॥
 श्वताजीतागधमंरुतकलिसदनं ॥ प्रविसताधमाव
 वसमिपःमिदविलसतगितरुसदसिगवदनं ॥ १ ॥
 नवरुवदगमकदलमयनममनं ॥ प्रविमताधमाव ३२
 वसमिपःमिदविलसकृतकलसकलललनं ॥ २ ॥ क
 कृतमयचनवितरुचिवासगद ॥ प्रविसताधमाव

वसमिपःमिदविलसमदकृतमसकलानददं ॥ ३ ॥
 वलमलयपवनसतगिगीतं ॥ प्रविसताधमावयग
 मीपःमिदविलसतसलिकललितगीतं ॥ ४ ॥ वि
 तरुवदवलिनवयल्लवचनं ॥ प्रविसताधमाववसमी
 पःमिदविलसचितमलयसपीनजघनं ॥ ५ ॥ म

गीत

धूमदिकमधूपकलललितगाव ॥ प्रविसनाधमाधव
समीपः मिरुविलसमदनगतनरसगाव ॥ ७ ॥ म
धनत्रलयिकनिकननिनदसखम ॥ प्रविसनाधमा
धवसमीपः मिरुविलसदसनगचित्रचित्रगिखगैः
॥ ७ ॥ दिदिनयप्यावनीमखसससमाज ॥ कनम

३३

गावमंगलगानिः रुनगिजयदवकविनाज ॥ ८ ॥
॥ १२ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १२ ॥
नविकषिगविविधविकानविहंगी ॥ जलनिधिमिवविधुः
मधुलदर्शनगनातिगनत्रुगनरी ॥ १ ॥ हनिमक
नसंविनमहिलषिगविलासं ॥ साददर्शनगुनूहर्षवर्णवः

श्रीगणेशविद्

दवदनमनंगविकाशी ॥ ५ ॥ हातममलगनगात्रमूनसि
दधनयनिलं व्यविदनी ॥ स्तूनेगनरुनकदेवकनेविममिव
यमूनाजलयुने ॥ २ ॥ ॥ धामलमृदलकलेवनमधु
लमधिगगलमेनद्रुले ॥ नीलनलिनमिव पीमपनागः
पटलरुनवलपिनेमूले ॥ ३ ॥ गनलदृगीचलन

३४

मनारुनवदनकनिगनगिनाग ॥ सृष्ट कंसलादवखति
गखंडनयगमिवमयदिगजागं ॥ ४ ॥ वदनकम
लयपिभीलेनमिलिगमिदित्रसमकुमुलगां ॥ ५ ॥ मि
मूचित्रवित्रसमलसिगाधनपचवदुमनेगिलीरुः
॥ ६ ॥ ॥ गमिकित्रमकुत्रिगादनजलधनसन्धनकस

15

गीत

मसकर्म ॥ गिगितादिनविधमनुनिर्मलमलयज
 लकानिवर्ग ॥ ३ ॥ विपलपलकदतदननगगगगि
 कसिकलारि नधीतं ॥ मनिगनकिजनसमेदमकलर
 यद्यभूतागगीतं ॥ ७ ॥ ग्राजयदवरुनिगमगिसः
 दत्रविहवविहवधराय ॥ पुनमगददिविनिधायदवि

३७

10

सचत्रसदृशदयसाजं ॥ ८ ॥ १ ३ ॥ विहासत्रागध ॥ ॥
 किमलयमयनगलकगमानिनिचननलिनविनिध
 मं ॥ गवपदपञ्चववेनियतारुवामिदमनरुवरुसवर्ग
 ॥ ९ ॥ इधमधनानायायममनगमनसतयाधिकः
 ॥ १० ॥ कवकमलनकगामिचवधमदमागगासिवि

5

c.mts

5

10

15

15

गीत

द्वं ॥ अथ मय कत्र मय एत मय विमामिव न पत्र म नू ग म म
 ॥ २ ॥ वदन मध्वानि धिगालि म म म म मिव न व य व
 वन म न कलं ॥ विन द्वा मि वा प न या मि य था ध त ना ध क
 म त्र सि द्द कलं ॥ ३ ॥ प्रिय पति तं रु न न रु स व लि तं मि
 व प ल कि न म मि द्द व वा यं ॥ म द ग सि कू च क ल गं वि नि

३७

10

व म य ना स य म न सि ज ना पं ॥ ४ ॥ अथ त्र म धा त्र म म
 य न य रु वि नि जी व य म म मि व दा स ॥ स यि वि नि दि ग म
 न स वि न द्वा न ल द ग्ध व ग य म वि ला स ॥ ५ ॥ म मिः
 म पि म र व य म मि त्र म ना ग ध म न ग ध क ल उ य नि न्य दं ॥
 मु मि रु ग ल पि क र ग वि क ल म म म म य वि त्रा द व सा

5

c.mts

5

10

15

गीत

दं ॥ ३ ॥ मामगिविदुलत्रयाविकलाकुलमवलोक
ममधनदं ॥ मिलिगलज्जितमिवनयनं गवविमज्जम
मत्रगिखदं ॥ ७ ॥ श्रीजयदवतनिगमिदमन
पदनिगदिगमधनियममादं ॥ जनयगुतसिकजन
नयमनाहृननगिगसलावविनादं ॥ ८ ॥ ॥ २५ ॥

३७

१ तामकलिजाग ॥ ॥ त्रयकमाल ॥ ॥ कर्मजद
नन्दनचन्दमिभिरगमकमवपयधतं ॥ मृगमदपय
कममयमनारुवमंगलगमसक्षदतं ॥ १ ॥ निजगम
दसाजदनन्दनकीर्तिहृदयानन्दन ॥ २ ॥ अलिक
लंगजनमंजनकंतिनायकसायकमावन ॥ सदधन

गीत

चुवनलंविनककुलमकुलययि यलायन ॥ २ ॥
नयनकतंगनगंगवि काभनितासकतंयुनिमधु
ल ॥ मनसिजयांगविलासधनगुरुवगनिवंगयक
धुल ॥ ३ ॥ पुमत्रययंतययनमपगितरितंस्वितं
ममसंमुख ॥ उरुकमलविमलयतीकर्मयनममज

३६

नकमलकंसख ॥ ४ ॥ मगमदतसवलितंललितंकन
गिलकमलिकेतजनिगत ॥ विहगकलंकदलंकम
लाननविग्रमिगयममीकन ॥ ५ ॥ ममगुचित्रचिकुः
लकनमात्रदमानसजधुजचामन ॥ गगिगलितंललि
नकगुमानिमीखलुगिखेनुकेजमन ॥ ६ ॥ मग

गीत

सद्यन्तजघनममसंवन्धाननवानमकंदन ॥ मनिनरु
नावसनातगवामागुहासयवागयगुन्दन ॥ १ ॥
आजयदेववचसिजयदवसदयंछादयंकनमम ॥ २ ॥
गिरगनस्मगवामगुहाकल्पद्वलसकलस्वयुन ॥ ३ ॥
मन्यागारुशलगुहा ॥ ॥ ल्यषकधिर्मविन ॥ ॥ ॥